Virtual brainstorming session on iRAD system held in MP

(Conducted by PTRI in joint collaboration with NIC, MPSC Bhopal. Date: May 22nd & 23rd, 2021)

---

iRAD – Integrated Road Accidental Database System has been successfully implemented in Madhya Pradesh with active participation of Police department. Field officers of 50 districts are doing Live entry of accidents through iRAD mobile App. At present MP is at 2nd position in terms of entries in iRAD. Records of more than 7700 accidents have been contributed so far by MP for analysis purpose.

To have a discussion on the progress, implementation issues, data usage and evolving ideas for further enhancements a two days virtual meeting was organized by PTRI Bhopal in collaboration with NIC. ADG – PTR, SIO MP, DIOs, District Rollout Managers, SPs/District Nodal Officers of iRAD and SHO/Field Officers of all districts participated in the two days brainstorming event.

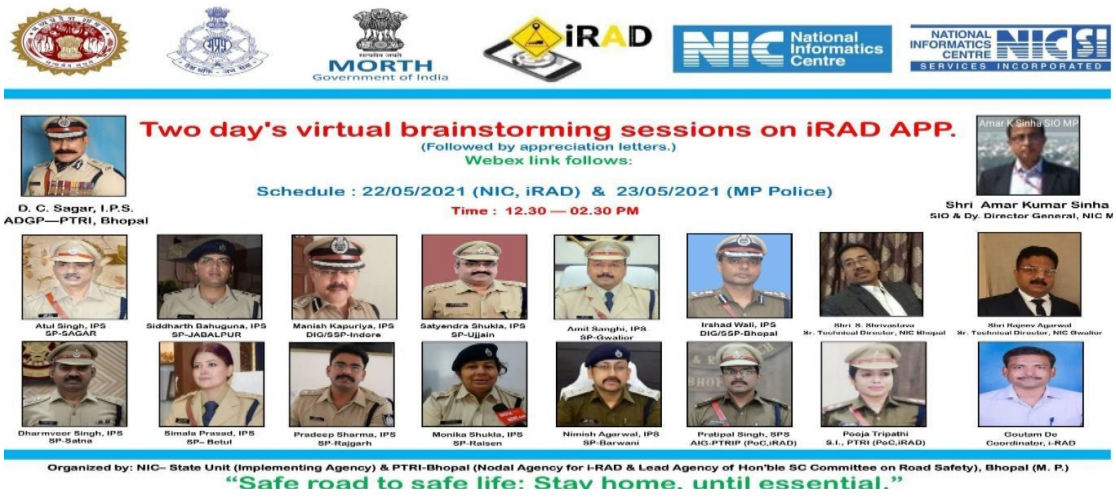

The event was hosted and chaired by Shri D. C. Sagar, IPS, ADG – PTRI, Madhya Pradesh Bhopal, and Co-Chaired by Shri Amar Kumar Sinha, SIO & Dy. Director General NIC, Madhya Pradesh. Panelist members were Shri Rajeev Agarwal, Scientist F, NIC-Gwalior, Shri Swadesh Shrivastava, Scientist F, NIC-State Unit Bhopal, Shri Pratipal Singh, AIG-PTRI, Bhopal and other senior police officers of the state.

In his key note address **ADG-PTRI MP** congratulated all participants for their sincere and dedicated efforts for making iRAD successful in MP. He specially thanked SIO-NIC-MP and NIC team for their dedication and support for the project. He expressed his gratitude to all the NIC State and district officers.

He emphasized role of Data , Dash board and analysis and said that the iRAD system would help the stakeholders through Monitoring & Reporting Dashboard & would help in forecasting & Decision Making by Apex Authorities for formulation of new policies & strategies for enhancing the road safety i.e. **'Safe Road for All'** in India. He quoted –" Small Drops make a mighty ocean, All we need to do is to put our hundred percent and move ahead maintaining the team spirit".

SIO NIC MP in his address expressed his gratitude towards the stakeholder departments for recognizing the support of NIC and its officials and praised the department officials for adopting IT based iRAD system rapidly and also for providing full support in the hand holding activities in spite of pandemic situation and their priority involvement for law and order.

He said that ultimate objective of the project is to actually reduce the entries (i.e. by analyzing and reducing the accidents) and iRAD will generate various types of insights by analyzing the collected road accident data across the country using data analytics techniques. Other important stakeholders likeTransport, Road Highways and Health should also participate in the system for its effective usage. He assured of all support from NIC for achieving the target of the project.

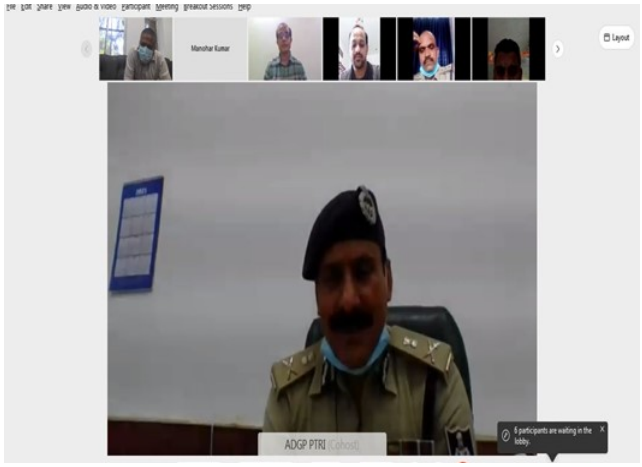

ADGP Sh D.C. Sagar

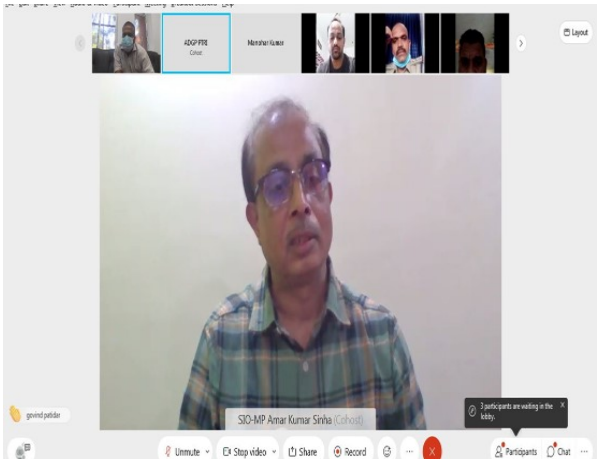

SIO MP Sh. A.K.Sinha

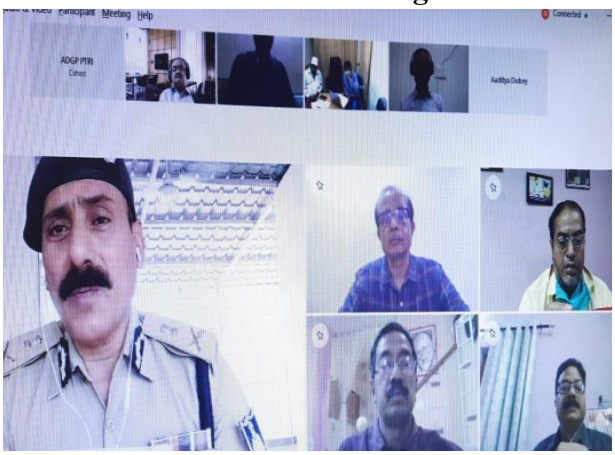

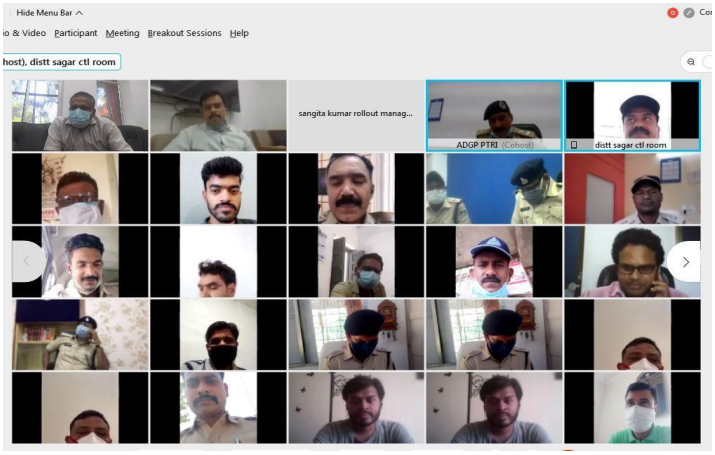

More than 600 participants were present during the two days event. Implementation issues and ideas for its future enhancements were discussed. Many police officers informed that the reports generated through iRAD are already being used in identifying black / blind spots and in taking appropriate measures for reducing the accidents.

During the sessions the SP's/Nodal officers/DIOs and Rollout Managers of best performing districts shared their experiences. NIC Officers along with police officials from Sagar, Jabalpur, Indore, Ujjain and Gwalior from the Lighthouse districts and Satna, Betul, Raisen, Rajgarh, and Barwani from the non-lighthouse districts were appreciated and they shared their inputs. Other districts participants also provided their feedbacks. ADGP asked everyone to keep up the efforts and was assured of the same by the participants.

SIO NIC MP in his closing remarks assured of full support and services by NIC . He also thanked Shri Gautam De, State Rollout manager for coordination and support in organizing this workshop.The workshop concluded with vote of thanks by ADGP.

Team iRAD NIC MP

The workshop was covered widely in the newspapers of the state and some of the clippings of newspaper covering is also placed below.

उपलब्धि | आईआरएडी पर दो दिवसीय वर्चुअल ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन संपन्न हुआ

आईआरएडी एप में प्रविष्टि करने में सागर जिला मप्र में प्रथम स्थान पर

सागर। आईआरएडी ऐप से दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा के लिए पीटीआरआई एवं एनआईसी द्वारा दो दिवसीय वर्चुअल ब्रेनस्टार्मिंग सेशन का आयोजन किया गया है। मीटिंग में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ए भारत सरकार द्वारा दिए गए नए विषयों को जोड़ने एवं इस ऐप पर प्रगति की समीक्षा की गई।

एडीजी डीसी सागर ने बताया की इस एप की प्रगति में पुलिस विभाग द्वारा बहुत अच्छी कार्यवाही की गई एवं प्रदेश के 50 जिलों ने इस एप में डाटा भरना शुरू कर दिया है अन्य विभाग जैसे राजमार्ग, स्वास्थ्य, परिवहन भी इसमें तेजी लावे। प्रदेश के सभी जिलों के एनआईसी के डीईओ और रोल आउट मैनेजरों ने इसमें उत्कृष्ट कार्य किया है। विशेषकर सागर, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, सतना, बैतूल आदि। कोविड महामारी के समय में भी वर्चुअल ट्रेनिंग के माध्यम से सभी लोगों ने प्रशिक्षण कार्य संपन्न किया तथा इस ऐप में एक्सीडेंट प्रविष्टि में तेजी लाई।

MORTH | NIC National Informatics Centre | iRAD

e-Certificate of Professionalism.

It's proudly presented to:

Atul Singh, IPS, SP-Sagar

This virtual certificate acknowledges your sustained professional contributions for implementing iRAD system in M.P. Police.

Best wishes.

23/05/2021
Bhopal

D.C. Sagar, IPS
ADG,PTRI
PHQ, Bhopal, M.P.

" Little drops of water, make a mighty ocean."

इस मीटिंग में कुछ नई बातें भी सामने आई जैसे इस ऐप में गैस तेल या खतरनाक पदार्थों के टैंकरों के परिवहन के दौरान दुर्घटनाओं के लिए आपदा प्रबंधन की संस्थानों को भी इस एप में स्टेक होल्डर बनाना उपयोगी होगा जो अलर्ट मिलने पर घटना स्थल पर पहुंचकर आपदा प्रबंधन कर लोगों की जान बचा सके। इस एप में एक्सीडेंट के स्थलों को भी गूगल मैप में टैग किया जाता है ताकि एक्सीडेंट के वास्तविक स्थल का जनता को पता चल सके और वो सावधानी पूर्वक वाहन चला सकें।

दो दिवसीय ऑनलाइन मीटिंग में पहले दिन एनआईसी के अधिकारियों एवं मैनेजरों को एडीजी ने संबोधित किया। उनमे पीटीआरआई से डीसी सागर एडीजी, एनआईसी के अमर कुमार सिन्हा डिप्टी डायरेक्टर जनरल, प्रतिपाल सिंह महोबिया, एआईजी, पूजा त्रिपाठी सब इंस्पेक्टर, एनआईसी के स्वदेश श्रीवास्तव एवं राजीव अग्रवाल एवं राज्य तकनीकी विश्लेषक गौतम दवे, जिलों के रोल आउट मैनेजरों ने भाग लिया। आज की मीटिंग में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक और नोडल अधिकारी भी शामिल हुये। उल्लेखनीय है कि आईआरएडी एप में प्रविष्टि करने में सागर जिला मप्र में प्रथम रहा है। जिसके फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक सागर अतुल सिंह को सर्टिफिकेट प्रदान किया है।

Date: 24/05/2021, Page: 2, City: Bhopal
URL: epaper.rashtriyahindimail.in
राष्ट्रीय हिन्दी मेल

प्रथम तीन जिलों में इंदौर के शामिल होने पर एडीजी सागर ने दी बधाई

आईआरएडी एप पर दो दिवसीय वर्चुअल ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन संपन्न

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

आईआरएडी एप से सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा के लिए पीटीआरआई एवं एनआईसी द्वारा दो दिवसीय वर्चुअल ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन का आयोजन किया गया था। ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन के दौरान एडीजी डीसी सागर ने बताया कि इस एप की प्रगति में पुलिस विभाग द्वारा अच्छी कार्रवाई की गई है एवं प्रदेश के 50 जिलों ने इस एप में डाटा भरना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि अन्य विभाग जैसे राजमार्ग, स्वास्थ्य, परिवहन भी इसमें अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों ने इसमें अच्छा काम किया है, विशेषकर इंदौर, सागर और जबलपुर। कोविड महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में भी वर्चुअल ट्रेनिंग के माध्यम से सभी लोगों ने प्रशिक्षण कार्य संपन्न किया तथा इस एप के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की प्रविष्टि में तेजी लाई गई है। एडीजी श्री सागर ने इंदौर को प्रथम तीन जिलों में स्थान प्राप्त करने पर इंदौर डीआईजी मनीष कपूरिया को बधाई दी और एनआईसी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सुनीता जैन एवं डिस्ट्रिक रोलआउट मैनेजर अभिलाष सोलंकी के कार्य की सराहना की। दो दिवसीय सेशन में पीटीआरआई से एडीजी डीसी सागर, एनआईसी से अमर कुमार सिन्हा, स्वदेश श्रीवास्तव, राज्य तकनीकी विश्लेषक गौतम दवे एवं एएसपी ट्रैफिक इंदौर आर.एस. देवके विशेष रूप से मौजूद थे।

पूरा सच, बेधिक

प्रदेश टुडे

PRADESHTODAY.COM | WhatsApp Edition

IRAD से पुलिस हर जिले के सड़क हादसों का जुटा रही डाटा बेस

ट्रांसपोर्ट, NHI और हेल्थ विभाग को इस एप पर एक्टिव करने की तैयारी

प्रशासनिक संवाददाता, भोपाल

प्रदेश में होने वाले सड़क हादसों के लाइव कवर करते हुए उसका डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। आईरेड (इंटिग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस) ऐप से पुलिस के अलावा हेल्थ और ट्रांसपोर्ट विभाग भी जुड़े हुए हैं। इसमें पिछले 77 दिनों से हर दिन जिलों से सड़क हादसों की अपडेट अपलोड की जा रही है।

देश भर में होने वाले हादसों को लाइव कवर करने के लिए आई रेड नामक एक ऐप केंद्र सरकार ने बनाया है। इस ऐप को प्रदेश में संचालन करने की जिम्मेदारी पुलिस महकमे की पीटीआरआई शाखा को दी गई है। जिसके तहत जिले में होने वाले सड़क हादसों को उक्त ऐप पर घटना की जांच के दौरान मोबाइल के जरिए अपलोड किया जाता है।

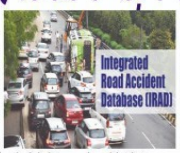

हादसों के कारणों को अपलोड करेगी पुलिस

इन दिनों जो मामले पुलिस ने जांच में लिए उनके प्रकार व कारणों पर इस ऐप पर फोकस किया जाएगा, ताकि भविष्य में हादसों को रोका जा सके। उन मामलों में यह देखा जाएगा कि सर्वाधिक हादसे किस रोड पर, किस समय व किन वाहनों के बीच हुए। क्या वाहन चालक नींद में थे, नशे में थे या अंधेरे, मोड आदि के कारण हादसे हुए हैं इन सब बिंदुओं पर पुलिस द्वारा फोकस किया जाएगा। ऐसा करने के पीछे पुलिस का मानना है कि यदि किन्हीं तकनीकी खामियों, रोड, टर्न व नशे, नींद के कारण हादसे होना सामने आते हैं तो उन्हें कम करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। इसके लिए राजमार्ग, स्वास्थ्य व परिवहन को भी इस एप पर सक्रिय किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऐप की प्रगति में पुलिस काफी अच्छी कार्यवाही कर रही है। प्रदेश के 50 जिलों में इस एप में डाटा भरना शुरू कर दिया है। प्रदेश के सागर, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर, ग्वालियर, राजगढ़, सतना, बैतूल आदि जिलों ने इस दिशा में बेहतर कार्य किया है। राजमार्ग, स्वास्थ्य व परिवहन विभाग से भी इसके उपयोग में तेजी लाने के लिए कहा गया है।

डीसी सागर, एडीजी पीटीआरआई

सांध्य दैनिक | आज की खबर आज

खबरवाणी

बैतूलः सोमवार ● 24 मई 2021

उत्कृष्ट कार्य के लिए एसपी सिमाला प्रसाद का सम्मान

MORTH | NIC National Informatics Centre | iRAD

e-Certificate of Professionalism.

It's proudly presented to:

Simala Prasad, IPS, SP– Betul

This virtual certificate acknowledges your sustained professional contributions for implementing iRAD system in M.P. Police.

Best wishes.

23/05/2021
Bhopal

D.C. Sagar, IPS
ADG,PTRI
PHQ, Bhopal, M.P.

" Little drops of water, make a mighty ocean."

बैतूल, सांध्य दैनिक खबरवाणी

मप्र पुलिस, एनआईसी और आईरेड ऐप के वर्चुअल सेशन में आईरेड (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटा बेस) ऐप से सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाईन प्रविष्टि की प्रगति की समीक्षा की गई। इस कार्य में बैतूल पुलिस का अच्छा प्रदर्शन रहा, जिसको लेकर एसपी सिमाला प्रसाद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। इस सम्मान को लेकर एसपी सिमाला प्रसाद ने कहा कि इस सर्टिफिकेट का क्रेडिट ट्रेफिक पुलिस को जाता है, जो इस पर तत्परता से काम करते है।

गौरतलब है कि आई रेड ऐप

सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाईन प्रविष्टि में बैतूल का अच्छा प्रदर्शन

बनाया गया है रोड एक्सीडेंट कम करने के लिए। उसमें क्या होता है, जहां भी रोड एक्सीडेंट हुआ क्या कारण रहा, कितने लोग प्रभावित रहे।

सामान्यतः रोड एक्सीडेंट का विश्लेषण तरीका है ऐप। क्या घाटी थी, क्या ब्लाइंड टर्न था, इसमें हमने कितना फास्ट जानकारी अपलोड की गई। इसके अलावा सुझाव दिए जाते है कि आगे हम क्या करेंगे। एक ही प्वाईंट पर बार-बार घटनाएं हो रही है तो इसमें हम क्या सुधार कर सकते है। हमारा जो ट्रेफिक का बल है, जो अलग-अलग थानों में पदस्थ है, वो ही जानकारी विश्लेषण के साथ डालते है।

इस वर्चुअल सेशन में प्रगतिशील कार्य के लिए एडीजी डी. सी. सागर भा.पु.से. के द्वारा राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय अधिकारी सुश्री सिमाला प्रसाद पुलिस अधीक्षक बैतूल, श्रीमती श्रद्धा जोशी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुराग प्रकाश निरीक्षक थाना प्रभारी यातायात, श्रीमती रचना श्रीवास्तव जिला सूचना विज्ञान अधिकारी एनआईसी बैतूल और अंकज देशमुख आईरेड डिस्ट्रिक्ट रोलआउट मैनेजर बैतूल को ऑनलाइन प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। वहीं अन्य विभाग राजमार्ग, स्वास्थ्य, परिवहन भी इस प्रोजेक्ट में शामिल कर कार्य प्रारम्भ करने के लिए कहा गया। कोविड के चुनौतीपूर्ण समय में भी वर्चुअल ट्रेनिंग के माध्यम से सभी लोगों ने प्रशिक्षण कार्य संपन्न किया तथा इस ऐप के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं का डेटा दर्ज किया। अब तक आईरेड एप्लीकेशन के माध्यम से बैतूल जिले द्वारा फरवरी 2021 से मई 2021 तक लगभग 202 एक्सीडेंट दर्ज किए गए है।

आईआरएडी प्रोजेक्ट; अब हादसे की जांच में सिर्फ चालक की लापरवाही से काम नहीं चलेगा, डेटाबेस होगा तैयार

भास्कर संवाददाता | सागर

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं भूतल मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे आईआरएडी (इंट्रीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस) प्रोजेक्ट के तहत थाना प्रभारियों और विवेचना अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

पुलिस किसी भी प्रकार की सड़क दुर्घटना के मामले में वाहन चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने का कारण लिखती है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बल्कि हर हादसे की पीछे क्या क्या वजह रही है। इन सभी का अध्ययन कर उसे अपनी रिपोर्ट में दर्ज करना होगा। एसपी अतुल सिंह ने बताया कि आईआरएडी प्रोजेक्ट को लेकर सागर में प्राथमिकता से काम चल रहा है। इसके तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों और विवेचना अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में किस तरह से जांच करना है यह प्रशिक्षण दिया गया है। एनआईसी के एडीआईओ डेलन प्रजापति ने बताया कि सरकार ने आईआरएडी का मोबाइल एप भी बनाया है। जो कि सीसीटीएनएस से सीधे लिंक है। ऐसे में किसी भी सड़क दुर्घटना के मामले में मौके पर पहुंचे जांच अधिकारी को सभी जानकारी तत्काल उस एप में भरना होगी।

साल में 200 से ज्यादा जानें जाती हैं सड़क हादसे में

वर्ष 2020 तक पूरे विश्व में सड़क दुर्घटनाओं में 50 फीसदी की कमी लाना थी, लेकिन इसमें भारत काफी पीछे है। पूरे विश्व की तुलना में भारत में वाहनों का घनत्व एक प्रतिशत है जबकि विश्व की तुलना में 10 फीसदी सड़क दुर्घटना भारत में हो रही है।

जिले में एक साल में 700-800 सड़क हादसे होते हैं। जिसमें से 200 से ज्यादा लोगों की जान जाती है। घायलों की संख्या हजार से ज्यादा रहती है। ऐसे में हर सड़क हादसे के पीछे के कारण सामने आने के बाद उसका विश्लेषण हो सकेगा कि अधिकांश दुर्घटनाएं किस वजह से होती है। हालांकि अभी भी पुलिस सड़क हादसों का विश्लेषण करती है, लेकिन उसमें सड़क और वाहन की स्थिति का उल्लेख नहीं होता है।

आई रेड एप में तेज गति से की एक्सीडेंट की एंट्री

नॉन लाइट हाउस डिस्ट्रिक्ट में बैतूल प्रथम, एसपी को सम्मान

भास्कर संवाददाता | बैतूल

आई रेड (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस) एप पर ऑनलाइन रोड एक्सीडेंट को ऑन द स्पॉट दर्ज करने में मप्र प्रथम स्थान पर रहा, जबकि नॉन लाइट हाउस जिले में (कम एक्सीडेंट वाले) प्रदेश में बैतूल प्रथम स्थान पर रहा। बैतूल पुलिस और एनआईसी के संयुक्त प्रयासों से इस प्रोजेक्ट को सबसे कम और तेज गति के साथ क्रियान्वयन किया और 75 दिनों की बेक डेट इंट्री दो दिन में दर्ज की गई। इसके लिए अतिरिक्त महानिदेशक भोपाल डीसी सागर ने बैतूल पुलिस को प्रगतिशील प्रमाणपत्र प्रदान किया। वहीं एसपी सिमाला प्रसाद, एनआईसी की रचना श्रीवास्तव व अंकज देशमुख को बधाई दी। इस कार्य में एडीशनल एसपी श्रद्धा जोशी, डीएसपी विवेक गौतम तथा यातायात निरीक्षक अनुराग प्रकाश का योगदान रहा। जिले में फरवरी 2021 से मई 2021 तक 2020 एक्सीडेंट आई रेड एप में दर्ज किए गए। आई रेड एप की दो दिवसीय वर्चुअल ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन में सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि की समीक्षा में एडीजी डीसी सागर बताया इस एप की प्रगति में पुलिस विभाग द्वारा अच्छी कार्रवाई की गई।

यह है आई रेड एप

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आई रेड एप में रोड एक्सीडेंट ऑन द स्पॉट दर्ज किया जाएगा। एक्सीडेंट सपोर्ट जीआईएस के माध्यम से दर्ज होंगे व डिजीटल मैप में देखे जा सकेंगे। जिससे एक स्थान पर बार-बार हो रहे एक्सीडेंट को आसानी से देखा जा सकेगा और आने वाले समय में बढ़ते एक्सीडेंटों की रोकथाम की जा सकेगी। इस एप की शुरुआत उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडू, राजस्थान, मध्यप्रदेश में की गई है।

Team iRAD NIC MP